प्रतिदर्श प्रश्नपत्र, 2022-23

विषय-हिंदी, कोर्स-ए (कोड-002)

Sample Paper - 9

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

(1) इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'क' और ख'। खंड-क में वस्तुपरक/बहविकल्पी और खंड-ख में वस्तुनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।

(2) प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(3) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

(4) खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 49 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(5) खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड - अ (बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)

1. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) **पंख वाले चींटे या दीमक वर्षा के दिनों में निकलते हैं।** रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए-

क) मिश्रवाक्य ख) संयुक्त वाक्य

ग) इच्छावाक्य घ) सरल वाक्य

(ii) निम्न में से संयक्त वाक्य है-

i. सूरज निकला और कमल खिल उठे।

ii. जब सूरज निकला तब कमल खिल उठे।

iii. चूँकि सूरज निकला इसलिए कमल खिल उठे।

iv. सूरज इसलिए निकला ताकि कमल खिल उठे।

क) विकल्प (ii) ख) विकल्प (i)

ग) विकल्प (iii) घ) विकल्प (iv)

(iii) **मैंने सुना है कि शकीना ने निकाह कर लिया है।** वाक्य है-

क) सरल वाक्य ख) आज्ञार्थक

ग) मिश्र वाक्य घ) संयुक्त वाक्य

(iv) **मैंने उस व्यक्ति को देखा जो पीड़ा से कराह रहा था।** संयुक्त वाक्य में बदलिए।

क) मैंने उस व्यक्ति को देखा और वह पीड़ा से कराह रहा था।

ख) मैंने उस व्यक्ति को देखा तो वह देखते ही पीड़ा से कराहने लगा।

ग) मैंने उस व्यक्ति को देखा वह पीड़ा से कराह रहा था।

घ) मैंने जैसे ही उस व्यक्ति को देखा वह पीड़ा से कराह रहा था।

(v) **जब तक तम जाओगे नहीं तब तक वह नहीं आएगा।** रचना के आधार पर वाक्य भेद चुनिए-

क) सरल

ख) संयुक्त

ग) मिश्र

घ) आज्ञार्थक

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती है। इसके आगे सारी समस्याएँ बौनी हैं, लेकिन समस्या एक प्रतिभा को खुद दूसरी प्रतिभा से होती है। बहुमुखी प्रतिभा का होना, अपने भीतर एक प्रतिभा के बजाय दूसरी प्रतिभा को खड़ा करना है। इससे हमारा नुकसान होता है। कितना और कैसे?

मन की दुनिया की एक विशेषज्ञ कहती हैं कि बहुमुखी होना आसान है, बजाय एक खास विषय का विशेषज्ञ होने की तुलना में। बहुमुखी लोग स्पर्द्धा से घबराते हैं। कई विषयों पर उनकी पकड़ इसलिए होती है कि वे एक में स्पर्द्धा होने पर दूसरे की ओर भागते हैं। वे आलोचना से भी डरते हैं और अपने काम में तारीफ़ ही तारीफ़ सुनना चाहते हैं। बहुमुखी लोगों में सबसे महान माने जाने वाले माइकल एंजेलो से लेकर अपने यहाँ रवींद्रनाथ टैगोर जैसे कई लोग हैं, लेकिन आज ऐसे लोगों की पूछ-परख कम होती है। ऐसे लोग प्रतिभाशाली आज भी माने जाते हैं, लेकिन असफल होने की आशंका उनके लिए अधिक होती है। आज वे लोग 'विंची सिंड्रोम' से पीड़ित माने जाते हैं, जिनकी पकड़ दो-तीन या इससे ज़्यादा क्षेत्रों में हो, लेकिन हर क्षेत्र में उनसे बेहतर उम्मीदवार मौजूद हों। बहुमुखी प्रतिभा वाले लोगों के भीतर कई कामों को साकार करने की इच्छा बहुत तीव्र होती है। उनकी उत्सुकता उन्हें एक से दूसरे क्षेत्र में हाथ आज़माने को बाध्य करती है। समस्या तब होती है, जब यह हाथ आज़माना दखल करने जैसा हो जाता है। वे न इधर के रह जाते हैं, और न उधर के। प्रबंधन की दुनिया में-'एक के साधे सब सधे, सब साधे सब जाए' का मंत्र ही शुरू से प्रभावी है। यहाँ उस पर ज़्यादा फोकस नहीं किया जाता, जो सारे अंडे एक टोकरी में न रखने की बात करता है। हम दूसरे क्षेत्रों में हाथ आज़मा सकते हैं, पर एक क्षेत्र के महारथी होने में ब्रेकर की भूमिका न अदा करें।

(i) बहुमुखी लोगों के बारे में कौनसे कथन सही हैं -

i. बहुमुखी लोग स्पर्द्धा से घबराते हैं।

ii. बहुमुखी लोग आलोचना से नहीं डरते हैं।

iii. बहुमुखी लोगों की पूछ - परख कम होती है।

iv. बहुमुखी लोगों के असफल होने की आशंका नहीं होती है।

क) कथन i व iii सही हैं

ख) कथन i व iv सही हैं

ग) कथन i, ii व iii सही हैं

घ) कथन ii व iv सही हैं

(ii) **विश्व** शब्द का गद्यांश में से चुनकर पर्यायवाची शब्द बताइए-

क) कस्बा	ख) भारत

ग) नगर	घ) दुनिया

(iii) असफल प्रतिभाशाली किस रोग से पीड़ित माने जाते हैं?

क) बहुविशेषज्ञ	ख) विषयी समस्याओं से

ग) विंची सिंड्रोम	घ) स्पर्द्धाओं से

(iv) **एक के साधे सब सधे, सब साधे सब जाएँ** नामक मंत्र किस क्षेत्र में प्रभावी है?

क) प्रबंधन क्षेत्र में	ख) आलोचनाओं के क्षेत्र में

ग) प्रतिभाओं में	घ) बहुमुखी क्षेत्र में

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): बहुमुखी प्रतिभा से व्यक्ति का नुकसान होता है।
कथन (R): बहुमुखी प्रतिभा वाले व्यक्ति की उत्सुकता उन्हें दूसरे क्षेत्र में हाथ आजमाने को बाध्य करती है।

क) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।	ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

ग) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।	घ) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

3. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

सच हम नहीं सच तुम नहीं
सच है महज संघर्ष हो।
संघर्ष से हटकर जिए तो क्या जिए हम कि तुम,
जो नत हुआ वह मृत हुआ ज्यों वृक्ष से
झरकर कुसुम जो लक्ष्य भूल सका नहीं
जो हार देख झुका नहीं।
जिसने प्रणय पाथेय माना जीत उसकी रही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं।
ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे।
जो भी जहाँ चुपचाप अपने आपसे लड़ता रहे।
जो भी परिस्थितियाँ मिलें।
काँटे चुभें, कलियाँ खिलें।
हारे नहीं इंसान, है संदेश जीवन का यही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं।

-- जगदीश गुप्त

(i) निम्नलिखित कथनों की सत्यता पर विचार कीजिए -

i. जीवन में आने वाले संघर्ष ही सच का वास्तविक रूप है।
ii. संसार में वास्तविक सच न तो हम हैं और न तुम।
iii. भीरु मनुष्य डाली से टूटे हुए फूल के समान है।
iv. संघर्ष में मनुष्य रास्ता भटक जाता है और रुक जाता है।

क) कथन ii व iii सही हैं
ख) कथन iv सही है
ग) कथन i, iii व iv सही हैं
घ) कथन i, ii व iii सही हैं

(ii) कवि के अनुसार जीत उसी की होती है, जो

क) हर परिस्थिति को चुनौती के रूप में स्वीकार नहीं करता
ख) जो डर जाता है
ग) संघर्षों से डरकर पीछे हट जाता है
घ) समस्याओं से नहीं घबराता

(iii) **कुसुम** शब्द का पर्यायवाची इनमें से कौन-सा शब्द नहीं है?

क) पुहुप
ख) गुलाब
ग) प्रसून
घ) सुमन

(iv) **जो नत हुआ वह मृत हुआ** पंक्ति से कवि का आशय है

क) जो सतत चलता नहीं, वह मर जाता है
ख) जो गिरता है, उसका पतन होता है
ग) जो झुक गया, वही सफल हो गया
घ) जो झुक गया, वह मर गया

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): अपने हालातों का रोना रोए बिना अपने संघर्षों से लड़ते रहना चाहिए।
कथन (R): चाहे कैसी भी परिस्थिति आए, अपने आत्मविश्वास को टूटने नहीं देना चाहिए।

क) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
ख) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
ग) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
घ) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।

अथवा

अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: [5]

भाग्यवाद आवरण पाप का
और शस्त्र शोषण का
जिससे दबा एक जन
भाग दूसरे जन का।
पूछो किसी भाग्यवादी से
यदि विधि अंक प्रबल हैं,
पद पर क्यों न देती स्वयं
वसुधा निज रतन उगल है?
उपजाता क्यों विभव प्रकृति को
सींच-सींच व जल से
क्यों न उठा लेता निज संचित करता है।
अर्थ पाप के बल से,
और भोगता उसे दूसरा
भाग्यवाद के छल से।
नर-समाज का भाग्य एक है
वह श्रम, वह भुज-बल है।
जिसके सम्मुख झुकी हुई है;
पृथ्वी, विनीत नभ-तल है।
- रामधारी सिंह दिनकर

(i) परिश्रमी व्यक्ति सफलता के बारे में क्या मानते हैं?

i. भाग्य में लिखी होने पर ही सफलता मिलती है।
ii. कर्म करने पर ही सफलता मिलती है।
iii. परिश्रम करने पर ही सफलता मिलती है।
iv. भाग्य पर भरोसा न करने वाले व्यक्ति को ही सफलता मिलती है।

क) कथन i, ii व iii सही हैं
ख) कथन i व iii सही हैं
ग) कथन ii व iv सही हैं
घ) कथन ii, iii व iv सही हैं

(ii) धरती और आकाश किसके कारण झुकने को विवश हुए हैं?

क) आँधी के कारण
ख) भाग्य के कारण
ग) परिश्रम के कारण
घ) तूफ़ान के कारण

(iii) काव्यांश में निहित संदेश क्या है?

क) भाग्य और परिश्रम का त्याग करना।
ख) भाग्य का सहारा त्याग कर परिश्रम करना।
ग) परिश्रम का सहारा त्याग कर भाग्य पर भरोसा करना।
घ) भाग्य और परिश्रम का सहारा लेना।

(iv) **नर-समाज** में कौनसा समास है?

क) द्वंद्व समास | ख) द्विगु समास

ग) अव्ययीभाव समास | घ) तत्पुरुष समास

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): भाग्यवादी व्यक्ति सदा अपने भाग्य को ही दोष देता रहता है।
कथन (R): भाग्यवादी मनुष्य अपने लक्ष्य में कभी सफलता प्राप्त नहीं कर सकता।

क) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।

ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) क्रिया के कथ्य रूप को बताने वाला _________ होता है। रिक्त स्थान के लिए उचित पद चुनिए।

क) वाच्य | ख) कर्ता

ग) क्रिया | घ) संज्ञा

(ii) जिन वाक्यों में कर्ता गौण अथवा लुप्त होता है, वह वाक्य वाच्य से संबंधित होता है-

क) भाववाच्य से | ख) कर्तृवाच्य से

ग) कर्मवाच्य और भाववाच्य दोनों से | घ) कर्मवाच्य से

(iii) **लड़का तैरता है।** वाक्य का भाववाच्य में रूपांतरण होगा-

क) लड़के द्वारा तैरा नहीं जाता। | ख) लड़के द्वारा तैरा जाता है।

ग) लड़का तैरता है। | घ) लड़के से तैरा जाता है।

(iv) निम्नलिखित में से कौन-से वाक्य में भाववाच्य है?

i. मच्छरों के कारण हम से रात भर सोया न जा सका।
ii. अनेक पाठकों द्वारा पुस्तक की सराहना की गई।
iii. पक्षी बाग छोड़कर नहीं उड़े।
iv. हर्षिता रोज अखबार पढ़ती है।

क) विकल्प (i) | ख) विकल्प (iii)

ग) विकल्प (iv) | घ) विकल्प (ii)

(v) जब क्रिया का रूप कर्म के अनुसार बदलता है तब कौन-सा वाच्य होता है?

क) भाववाच्य | ख) मिश्रवाच्य
ग) कर्तृवाच्य | घ) कर्मवाच्य

5. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) कहती हुई यों उत्तरा के नेत्र जल से भर गए। हिम के कणों से पूर्ण मानो हो गए पंकज नए।
उपर्युक्त पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

क) उत्प्रेक्षा | ख) उपमा
ग) रूपक | घ) अतिशयोक्ति

(ii) निम्नलिखित पंक्ति में अलंकार बताइए-
उदित उदय गिरी मंच पर, रघुबर बाल पतंग।
बिकसे संत सरोज सब, हरषे लोचन भृंग।।

क) व्यतिरेक | ख) रूपक
ग) इनमें से कोई नहीं | घ) चपलातिश्योक्ति

(iii) निम्नलिखित पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार बताइए-
सुबरन को ढूँढ़त फिरै कवि, कामी अरु चोर

क) श्लेष | ख) उत्प्रेक्षा
ग) यमक | घ) अनुप्रास

(iv) **दादुर धुनि चहुँ दिशा सुहाई।**
बेद पढ़हिं जनु बटु समुदाई।
पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

क) उपमा अलंकार | ख) रूपक अलंकार
ग) यमक अलंकार | घ) अतिश्योक्ति अलंकार

(v) निम्नलिखित पंक्ति में अलंकार बताइए-
वह शर इधर गाण्डीव गुण से भिन्न जैसे ही हुआ।
धड़ से जयद्रथ का उधर सिर छिन्न वैसे ही हुआ।।

क) श्लेष | ख) अतिश्योक्ति
ग) उल्लेख | घ) यमक

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

आसमान बादल से घिरा; धूप का नाम नहीं। ठंडी पुरवाई चल रही। ऐसे ही समय आपके कानों में एक स्वर-तरंग झंकार-सी कर उठी। यह क्या है- यह कौन है! यह पूछना न पड़ेगा। बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेत में रोपनी कर रहे हैं। उनकी अँगुली एक-एक धान के पौधे को, पंक्तिबद्ध, खेत में बिठा रही है। उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर, स्वर्ग की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर! बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं; मेड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं, वे गुनगुनाने लगती हैं; हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं; रोपनी करनेवालों की अँगुलियाँ एक अजीब क्रम से चलने लगती हैं! बालगोबिन भगत का यह संगीत है या जादू!।

(i) बालगोबिन भगत रोपनी करते समय क्या करते थे?

i. रोते थे
ii. भगवान का नाम लेते थे
iii. गाते थे
iv. सोते थे

क) विकल्प (iii) ख) विकल्प (i)

ग) विकल्प (ii) घ) विकल्प (iv)

(ii) बालगोबिन भगत का संगीत था-

क) सभी विकल्प सही हैं ख) मंत्र मुग्ध करने वाला

ग) जादू घ) कर्णप्रिय

(iii) बालगोविन भगत अपने खेत में किस चीज की खेती करते थे?

क) गेहूँ ख) धान

ग) जौ घ) ज्वार

(iv) गद्यांश में किस ऋतु का वर्णन है?

i. ग्रीष्म (ज्येष्ठ)
ii. आषाढ़
iii. श्रावण
iv. कार्तिक

क) विकल्प (iii) ख) विकल्प (ii)

ग) विकल्प (i) घ) विकल्प (iv)

(v) काव्यांश में जादू कहा गया है-

क) मठ की महानता को ख) खेत की हरियाली को

ग) बालगोबिन के व्यवहार को　　　　घ) बालगोबिन के संगीत को

7. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **[2]**

(i) **एक कहानी यह भी** पाठानुसार लेखिका के पिता क्रोधी क्यों हो गए थे?

क) आर्थिक तंगी के कारण　　　　ख) स्थान परिवर्तन के कारण

ग) अपनी पुत्री को लेकर　　　　घ) बीमारी के कारण

(ii) अमरुद्दीन कितने वर्ष की आयु में ननिहाल काशी में आ गया था?

क) चार वर्ष　　　　ख) दो वर्ष

ग) छः वर्ष　　　　घ) पाँच वर्ष

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

हमारें हरि हारिल की लकरी।
मन क्रम वचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी।
जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जक री।
सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी।
सु तौ ब्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी।
यह तौ 'सूर' तिनहिं लै सौंपौं, जिनके मन चकरी।।

(i) **नंद-नंदन** शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है?

क) उद्धव　　　　ख) कृष्ण

ग) सूरदास　　　　घ) गोपियों

(ii) गोपियों को योग व ज्ञान की बातें कैसी लगती हैं?

क) अग्नि के समान　　　　ख) कड़वी ककड़ी के समान

ग) नीरस　　　　घ) बहुत मधुर

(iii) गोपियों ने श्रीकृष्ण की तुलना किससे की है?

क) हारिल की लकड़ी से　　　　ख) कड़वी ककड़ी से

ग) सन्यासी से　　　　घ) भौंरे से

(iv) गोपियों ने श्रीकृष्ण की बातों को किसके लिए बताया है?

क) उद्धव के लिए　　　　ख) जो सन्यासी है

ग) जो प्रेम करता हो　　　　घ) जिसका मन स्थिर न हो

(v) **ब्याधि** शब्द का क्या अर्थ है?

क) विरह | ख) आधार

ग) रोग | घ) रक्षा

9. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) वह **<u>आजकल</u>** घर पर ही रहता है रेखांकित पद का परिचय है

क) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'रहता है' क्रिया की विशेषता

ख) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'रहता है' क्रिया की विशेषता

ग) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'रहता है' क्रिया की विशेषता

घ) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'रहता है' क्रिया की विशेषता

(ii) मधुर गाने तो **<u>सदा ही</u>** सुनने को मिलते। रेखांकित पद का परिचय है-

क) विशेषण, रीतिवाचक, 'सुनना' विशेष्य।

ख) क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'मिलते' क्रिया का विशेषण।

ग) क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'मिलते' क्रिया का विशेषण।

घ) विशेषण, कालवाचक, 'सुनना', विशेष्य।

(iii) **<u>परिश्रमी</u>** अंकिता अपना काम समय से पूरा कर लेती है। रेखांकित पद का परिचय है-

क) गुणवाचक, विशेषण, विशेष्य - अंकिता, स्त्रीलिंग, एकवचन।

ख) सार्वनामिक, विशेषण, विशेष्य - अंकिता, स्त्रीलिंग, एकवचन।

ग) परिमाणवाचक, विशेषण, विशेष्य - अंकिता, स्त्रीलिंग बहुवचन।

घ) संख्यावाचक, विशेषण, विशेष्य - अंकिता, स्त्रीलिंग, एकवचन।

(iv) अहा! **<u>उपवन में</u>** सुंदर फूल खिले हैं। रेखांकित पद का परिचय होगा-

क) जातिवाचक, स्त्रीलिंग, पुल्लिंग, एकवचन

ख) व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक

ग) भाववाचक, पुल्लिंग, एकवचन, करणकारक

घ) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक

(v) शब्द जब वाक्य में प्रयोग किया जाता है, तो उसे कहते हैं-

क) पद | ख) वाक्य

ग) वर्ण | घ) पद-परिचय

10. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **[2]**

(i) उत्साह कैसा गीत है?

क) सांध्य गीत   ख) बात गीत

ग) आह्वान गीत   घ) संबोधन गीत

(ii) **छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ** इस पंक्ति से कवि जयशंकर प्रसाद के स्वभाव के बारे में क्या पता चलता है?

क) वे अपने आपको बड़ा साहित्यकार समझते थे   ख) उन्होंने अभी-अभी साहित्य जगत् में कदम रखा था

ग) वे बहुत विनम्र थे उनको अहंकार छू तक न पाया था   घ) वे बड़े कवि नहीं थे

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- **[6]**

(i) 'आपकी दृष्टि में परशुराम का क्रोध करना उचित है या अनुचित ? तर्कसहित स्पष्ट दिजिए।

(ii) **संगतकार** कविता में संगतकार को त्याग की मूर्ति कैसे कहा जा सकता है?

(iii) **आत्मकथ्य** कविता अनुसार कवि की विडंबना क्या है, जिसे स्पष्ट करने में वह संकोच करता रहा है?

(iv) छोड़कर तालाब मेरी झोंपड़ी में खिल रहे जलजात -पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

12. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- **[6]**

(i) किन-किन चीजों का रसास्वादन करने के लिये आप किस प्रकार की तैयारी करते हैं?

(ii) **संस्कृति** पाठ के अनुसार लेखक ने किनको संस्कृति कहा है, जिनका उल्लेख संस्कृति पाठ में किया है?

(iii) मन्नू भंडारी के लेखकीय व्यक्तित्व निर्माण में शीला अग्रवाल की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

(iv) हालदार साहब के विचार से देश को स्वतंत्र कराने वाले लोग कैसे थे और उनका उपहास करने वाले आज के देशवासी कैसे हो गए हैं? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए- **[8]**

(i) **मैं क्यों लिखता हूँ?** पाठ के लेखक ने अपने लिखने का क्या कारण बताया है?

(ii) ऐसा कौन-सा दृश्य लेखिका ने देखा जिसने उनकी चेतना को झकझोर डाला? "साना-साना हाथ जोड़ि" पाठ के आधार पर संक्षेप में लिखिए।

(iii) **माता का अँचल** पाठ की उन दो बातों का उल्लेख कीजिए, जो आपको अच्छी लगी हों। इनसे आपको क्या प्रेरणा मिली?

14. आप जिस बस में यात्रा कर रहे थे, उसके चालक ने अत्यंत सराहनीय कार्य किया। बस चालक के प्रशंसनीय व्यवहार की सूचना देते हुए दिल्ली परिवहन निगम के महाप्रबंधक को पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य पर शिक्षकों के सम्मान हेतु विद्यार्थियों द्वारा आयोजित कार्यक्रम का वर्णन करते हुए बड़ी बहन को पत्र लिखिए।

15. **फ्लैट सिस्टम** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- वर्तमान जीवन शैली
- सुविधाएँ-मकानों का अभाव
- हानियाँ

अथवा

भारतीय किसान के कष्ट विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- अन्नदाता की कठिनाइयाँ
- कठोर दिनचर्या
- सुधार के उपाय

अथवा

मित्रता विषय पर अनुच्छेद लिखिए।

16. सर्व शिक्षा अभियान के तहत **वयस्क साक्षरता मिशन 2020** के लिए एक विज्ञापन 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

दूरदर्शन द्वारा पुनः प्रसारित किए जाने वाले कार्यक्रमों को बताते हुए अपने प्रिय मित्र को संदेश लिखिए।

17. दिल्ली नगर निगम सिविल लाइंस क्षेत्र, दिल्ली के आयुक्त को प्राथमिक अध्यापकों की आवश्यकता है। इस पद के लिए स्ववृत सहित आवेदन-पत्र लिखिए। आप विकास कुमार ए 2/127, अभिनव इंक्लेव, सेक्टर-15, रोहिणी, दिल्ली के निवासी हैं। **[5]**

अथवा

अपने क्षेत्र में एक नया डाकघर स्थापित करने की माँग करते हुए मुख्य डाक-अधिकारी webinformationmanager@indiapost.gov.in को एक ईमेल लिखिए।

Solution

खंड - अ (बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)

1. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

   (i) **(घ)** सरल वाक्य
   व्याख्या: सरल वाक्य
   (ii) **(ख)** विकल्प (i)
   व्याख्या: सूरज निकला और कमल खिल उठे।
   (iii) **(ग)** मिश्र वाक्य
   व्याख्या: मिश्र वाक्य
   (iv) **(क)** मैंने उस व्यक्ति को देखा और वह पीड़ा से कराह रहा था।
   व्याख्या: मैंने उस व्यक्ति को देखा और वह पीड़ा से कराह रहा था।
   (v) **(ग)** मिश्र
   व्याख्या: (जब-तब) मिश्र वाक्य का योजक चिन्ह है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
   प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती है। इसके आगे सारी समस्याएँ बौनी हैं, लेकिन समस्या एक प्रतिभा को खुद दूसरी प्रतिभा से होती है। बहुमुखी प्रतिभा का होना, अपने भीतर एक प्रतिभा के बजाय दूसरी प्रतिभा को खड़ा करना है। इससे हमारा नुकसान होता है। कितना और कैसे?
   मन की दुनिया की एक विशेषज्ञ कहती हैं कि बहुमुखी होना आसान है, बजाय एक खास विषय का विशेषज्ञ होने की तुलना में। बहुमुखी लोग स्पर्द्धा से घबराते हैं। कई विषयों पर उनकी पकड़ इसलिए होती है कि वे एक में स्पर्द्धा होने पर दूसरे की ओर भागते हैं। वे आलोचना से भी डरते हैं और अपने काम में तारीफ़ ही तारीफ़ सुनना चाहते हैं। बहुमुखी लोगों में सबसे महान माने जाने वाले माइकल एंजेलो से लेकर अपने यहाँ रवींद्रनाथ टैगोर जैसे कई लोग हैं, लेकिन आज ऐसे लोगों की पूछ-परख कम होती है। ऐसे लोग प्रतिभाशाली आज भी माने जाते हैं, लेकिन असफल होने की आशंका उनके लिए अधिक होती है। आज वे लोग 'विंची सिंड्रोम' से पीड़ित माने जाते हैं, जिनकी पकड़ दो-तीन या इससे ज़्यादा क्षेत्रों में हो, लेकिन हर क्षेत्र में उनसे बेहतर उम्मीदवार मौजूद हों। बहुमुखी प्रतिभा वाले लोगों के भीतर कई कामों को साकार करने की इच्छा बहुत तीव्र होती है। उनकी उत्सुकता उन्हें एक से दूसरे क्षेत्र में हाथ आज़माने को बाध्य करती है। समस्या तब होती है, जब यह हाथ आज़माना दखल करने जैसा हो जाता है। वे न इधर के रह जाते हैं, और न उधर के। प्रबंधन की दुनिया में-'एक के साधे सब सधे, सब साधे सब जाए' का मंत्र ही शुरू से प्रभावी है। यहाँ उस पर ज़्यादा फोकस नहीं किया जाता, जो सारे अंडे एक टोकरी में न रखने की बात करता है। हम दूसरे क्षेत्रों में हाथ आज़मा सकते हैं, पर एक क्षेत्र के महारथी होने में ब्रेकर की भूमिका न अदा करें।

   (i) **(क)** कथन i व iii सही हैं
   व्याख्या: कथन i व iii सही हैं
   (ii) **(घ)** दुनिया
   व्याख्या: दुनिया

(iii) **(ग)** विंची सिंड्रोम
व्याख्या: विंची सिंड्रोम
(iv) **(क)** प्रबंधन क्षेत्र में
व्याख्या: प्रबंधन क्षेत्र में
(v) **(क)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
व्याख्या: कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

3. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
सच हम नहीं सच तुम नहीं
सच है महज संघर्ष हो।
संघर्ष से हटकर जिए तो क्या जिए हम कि तुम,
जो नत हुआ वह मृत हुआ ज्यों वृक्ष से
झरकर कुसुम जो लक्ष्य भूल सका नहीं
जो हार देख झुका नहीं।
जिसने प्रणय पाथेय माना जीत उसकी रही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं।
ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे।
जो भी जहाँ चुपचाप अपने आपसे लड़ता रहे।
जो भी परिस्थितियाँ मिलें।
काँटे चुभें, कलियाँ खिलें।
हारे नहीं इंसान, है संदेश जीवन का यही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं।
-- जगदीश गुप्त

(i) **(घ)** कथन i, ii व iii सही हैं
व्याख्या: कवि ने जीवन का सच संघर्ष को माना है। कवि कहता है कि मेरा तुम्हारा सच वास्तव में सच नहीं है असली सच तो निरंतर संघर्ष में है।
(ii) **(घ)** समस्याओं से नहीं घबराता
व्याख्या: कवि के अनुसार जीत उसी की होती है, जो समस्याओं से नहीं घबराता है बल्कि डटकर उनका सामना करता है तथा संघर्ष करते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ता रहता है।
(iii) **(ख)** गुलाब
व्याख्या: 'कुसुम' शब्द का पर्यायवाची गुलाब नहीं है, जबकि सुमनु, प्रसून तथा पुहुप, कुसुम के पर्यायवाची हैं। गुलाब एक फूल का नाम है किंतु फूल का पर्याय नहीं है।
(iv) **(घ)** जो झुक गया, वह मर गया
व्याख्या: जो संघर्षों के कारण स्वयं को हारा हुआ मान लेता है अर्थात् उनके आगे झुक जाता है, वह मृत व्यंक्ति के समान होता है।
(v) **(ख)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
व्याख्या: प्रस्तुत गद्यांश के माध्यम से कवि यह संदेश देना चाहता है कि हमें विषम परिस्थितियों में हार नहीं माननी चाहिए बल्कि उनका सामना करते हुए जीवन के मार्ग में आगे बढ़ना चाहिए।

अथवा

अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

भाग्यवाद आवरण पाप का
और शस्त्र शोषण का
जिससे दबा एक जन
भाग दूसरे जन का।
पूछो किसी भाग्यवादी से
यदि विधि अंक प्रबल हैं,
पद पर क्यों न देती स्वयं
वसुधा निज रतन उगल है?
उपजाता क्यों विभव प्रकृति को
सींच-सींच व जल से
क्यों न उठा लेता निज संचित करता है।
अर्थ पाप के बल से,
और भोगता उसे दूसरा
भाग्यवाद के छल से।
नर-समाज का भाग्य एक है
वह श्रम, वह भुज-बल है।
जिसके सम्मुख झुकी हुई है;
पृथ्वी, विनीत नभ-तल है।
- रामधारी सिंह दिनकर

(i) **(घ)** कथन ii, iii व iv सही हैं
व्याख्या: कथन ii, iii व iv सही हैं
(ii) **(ग)** परिश्रम के कारण
व्याख्या: परिश्रम के कारण
(iii)**(ख)** भाग्य का सहारा त्याग कर परिश्रम करना।
व्याख्या: भाग्य का सहारा त्याग कर परिश्रम करना।
(iv)**(क)** द्वंद्व समास
व्याख्या: द्वंद्व समास
(v) **(घ)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
व्याख्या: कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(क)** वाच्य
व्याख्या: क्रिया के कथ्य को बताने वाला वाच्य कहलाता है। वाच्य में क्रिया का विधान कर्ता, कर्म और भाव के अनुसार होता है।
(ii) **(ग)** कर्मवाच्य और भाववाच्य दोनों से
व्याख्या: कर्मवाच्य और भाववाच्य दोनों से
(iii)**(घ)** लड़के से तैरा जाता है।
व्याख्या: लड़के से तैरा जाता है।
(iv)**(क)** विकल्प (i)
व्याख्या: मच्छरों के कारण हम से रात भर सोया न जा सका।

(v) **(घ)** कर्मवाच्य

व्याख्या: क्रिया के लिंग और वचन भी कर्म के अनुसार बदलते है तो कर्मवाच्य कहलाते हैं।

5. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(क)** उत्प्रेक्षा

व्याख्या: उत्प्रेक्षा I स्पष्टीकरण - उपर्युक्त पंक्ति में एक वस्तु में दूसरी की संभावना की गई है I

(ii) **(घ)** चपलातिश्योक्ति

व्याख्या: चपलातिश्योक्ति

(iii) **(क)** श्लेष

व्याख्या: श्लेषI स्पष्टीकरण - उपर्युक्त पंक्ति में सुबरन के तीन अर्थ हैं - कवि(अच्छे शब्द),कामी(सून्दर रंग-रूप) तथा चोर (सोना-चांदी) , अत: यहाँ 'श्लेष' अलंकार है।

(iv) **(घ)** अतिश्योक्ति अलंकार

व्याख्या: अतिश्योक्ति अलंकार

(v) **(ख)** अतिश्योक्ति

व्याख्या: अतिश्योक्ति

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

आसमान बादल से घिरा; धूप का नाम नहीं। ठंडी पुरवाई चल रही। ऐसे ही समय आपके कानों में एक स्वर-तरंग झंकार-सी कर उठी। यह क्या है- यह कौन है! यह पूछना न पड़ेगा। बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेत में रोपनी कर रहे हैं। उनकी अँगुली एक-एक धान के पौधे को, पंक्तिबद्ध, खेत में बिठा रही है। उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर, स्वर्ग की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर! बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं; मेड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं, वे गुनगुनाने लगती हैं; हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं; रोपनी करनेवालों की अँगुलियाँ एक अजीब क्रम से चलने लगती हैं! बालगोबिन भगत का यह संगीत है या जादू!।

(i) **(क)** विकल्प (iii)

व्याख्या: विकल्प (iii)

(ii) **(क)** सभी विकल्प सही हैं

व्याख्या: सभी विकल्प सही हैं

(iii) **(ख)** धान

व्याख्या: धान

(iv) **(ख)** विकल्प (ii)

व्याख्या: विकल्प (ii)

(v) **(घ)** बालगोबिन के संगीत को

व्याख्या: बालगोबिन के संगीत को

7. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(क)** आर्थिक तंगी के कारण

व्याख्या: आर्थिक तंगी ने उनके स्वभाव को क्रोधी बना दिया था।

(ii) **(ग)** छः वर्ष
व्याख्या: छः वर्ष

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
हमारें हरि हारिल की लकरी।
मन क्रम वचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी।
जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जक री।
सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी।
सु तौ ब्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी।
यह तौ 'सूर' तिनहिं लै सौंपौं, जिनके मन चकरी।।

(i) **(ख)** कृष्ण
व्याख्या: कृष्ण
(ii) **(ख)** कड़वी ककड़ी के समान
व्याख्या: कड़वी ककड़ी के समान
(iii) **(क)** हारिल की लकड़ी से
व्याख्या: हारिल की लकड़ी से
(iv) **(घ)** जिसका मन स्थिर न हो
व्याख्या: जिसका मन स्थिर न हो
(v) **(ग)** रोग
व्याख्या: रोग

9. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ग)** कालवाचक क्रियाविशेषण, 'रहता है' क्रिया की विशेषता
व्याख्या: कालवाचक क्रियाविशेषण, 'रहता है' क्रिया की विशेषता
(ii) **(ग)** क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'मिलते' क्रिया का विशेषण।
व्याख्या: क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'मिलते' क्रिया का विशेषण।
(iii) **(क)** गुणवाचक, विशेषण, विशेष्य - अंकिता, स्त्रीलिंग, एकवचन।
व्याख्या: गुणवाचक, विशेषण, विशेष्य - अंकिता, स्त्रीलिंग, एकवचन।
(iv) **(घ)** जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक
व्याख्या: जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक
(v) **(क)** पद
व्याख्या: पद

10. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(ग)** आह्वान गीत
व्याख्या: आह्वान गीत
(ii) **(ग)** वे बहुत विनम्र थे उनको अहंकार छू तक न पाया था
व्याख्या: जयशंकर प्रसाद विनम्र स्वभाव के व्यक्ति थे अहंकार उनको दूर-दूर तक छू भी नहीं

पाया था।

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) राम लक्ष्मण परशुराम संवाद के आधार पर:-
परशुराम का क्रोध करना अनुचित है। बिना कारण जाने आप किसी को दोषी ठहराना अनुचित हैं,जैसे भगवान परशुराम ने बिना कारण जाने ही राम को सहस्त्रबाहु के समान अपना शत्रु मान लिया । सामने वाला विनम्रता से झुक जाए तो भी क्रोध करना अनुचित है जैसे राम की विनम्रता न देखते हुए परशुराम ने किया। (भिन्न उत्तर भी संभव)

(ii) 'संगतकार' त्याग की मूर्ति है क्योंकि उसका संपूर्ण-जीवन मुख्य गायक के लिए अर्पित हो जाता है वह सर्वथा सक्षम होते हुए भी अपनी सामर्थ्य मुख्य गायक की सफलता के लिए अर्पित कर देता है। वह नहीं चाहता कि मुख्य गायक से आगे निकल जाए। मुख्य गायक संगतकार के प्रति प्रायः सम्माननीय भाव रखता है।संगतकार मुख्य गायक की असफलता को सफलता में बदल देता है, और मुख्य गायक के स्वर को ऊँचा उठाने का हर समय प्रयास करता है। संगतकार अपने गुणों सामर्थ्य और अपनी पहचान को छुपाकर मुख्य गायक का ही साथ देता है जिससे मुख्य गायक एक नई ऊंचाइयों पर पहुंच जाता है और उसे नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने वाला एकमात्र संगतकार ही होता है।इसलिए संगतकार त्याग की प्रतिमूर्ति बना रहता है।

(iii) कवि उन लोगों के आग्रह को विडंबना मानता है जो उसके अभाव भरे जीवन के बारे में सब कुछ जानते हैं। फिर भी आत्मकथा लिखने का आग्रह कर रहे हैं। कवि मान रहा है कि मेरे जीवन के रीति-गागर में कुछ न मिलने पर मेंरे बारे में कुछ-न-कुछ कहने से उन्हें रस की अनुभूति होगी। ऐसे लोग वे हैं जो आत्मीय होने का अभिनय करते हैं। यही उसके जीवन की विडंबना है कि आत्मीय जन उनसे ऐसी अपेक्षाएँ क्यों करते हैं?

(iv) शिशु के मुसकाते मुख और उसके धूल-धूसरित कोमल अंगों को देखकर कवि उल्लसित है। कवि बालक की तुलना कमल की सुंदरता से करता है। धूल में सने बालक के सुंदर अंगों को देखकर उसे लग रहा है मानो कीचड़ में खिलने वाले कमल तालाब को छोड़कर उसकी झोपड़ी में खिल रहे हैं।

12. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) फल खाने के लिये उसे धोकर काटना पड़ता है तथा मसाला छिड़कना पड़ता है। सब्जी खाने के लिये उसे साफ करना, धोना, तेल-घी में छौंकना तथा पकाना पड़ता है। फल का रस पीना हो तो उसका जूस निकालना पड़ता है, रोटी खानी हो तो आटा पानी के साथ गूंथना पड़ता है, लोई बनाकर बेलना पड़ता है फिर तवे पर आग पर सेंकना पड़ता है। इसी प्रकार खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए सलाद बनाकर उस पर स्वादानुसार नमक-मिर्च-नींबू निचोड़ कर उसे स्वादिष्ट बनाया जाता है | रायता और चटनी बनाकर उसे खाने के साथ खाया जाता है |

(ii) i. लेखक ने अपने विवेक के अनुसार कहा है कि मानव की जो योग्यता आग और सुई-धागे का आविष्कार कराती है वह भी संस्कृति है।
ii. मानव की जो योग्यता तारों की जानकारी कराती है वह भी संस्कृति है।
iii. मानव की वह योग्यता जो महामानव से सर्वस्व त्याग करती है वह भी संस्कृति है।

(iii) शीला अग्रवाल लेखिका के कॉलेज में हिन्दी अध्यापिका थीं तथा खुले दिमाग वाली प्रबुद्ध महिला थीं। उन्होंने लेखिका की सीमित समझ के दायरे को बढ़ाया | साहित्य के प्रति उनका लगाव बढ़ाया | देश की स्थिति को जानने-समझने का जो सिलसिला पिताजी ने शुरू किया था, शीला अग्रवाल ने उसे सक्रिय भागीदारी में बदला | उनकी जोशीली बातों के कारण ही लेखिका के मन में अंकुरित देशप्रेम की भावना को एक विशाल वृक्ष का आकार दे दिया और वे देशभक्ति के रास्ते पर चल पड़ी |

(iv) हालदार साहब के अनुसार देश को स्वतन्त्र कराने वाले कराने वाले लोग देशभक्त थे | उन्होंने अपने देश को स्वतंत्र कराने में अपना स्वार्थ नहीं देखा | देश की खातिर अपने घर-गृहस्थी के सुखों को त्याग कर अपना सर्वस्व न्योछावर करने से भी वे नहीं हटे | जबकि आज के देशवासी उनका उपहास बनाते हैं | वे भौतिकवादी होकर देशहित की भावना से विमुख होते जा रहे हैं |

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-

(i) लेखक 'अज्ञेय' जी ने 'मैं क्यों लिखता हूँ? के उत्तर में कहा है कि वह अपने मन की विवशता को पहचानते हैं। अतः वह लिखकर उससे मुक्ति पाना चाहते हैं। वह इसलिए भी लिखना चाहते हैं, ताकि स्वयं को जान और पहचान सकें। उनके मन में जो विचारों की छटपटाहट व बेचैनी होती है। उससे मुक्ति पाने के लिए वे लिखना चाहते हैं। वे यह भी जानते हैं कि कई बार व्यक्ति प्रसिद्धि पाने, धन अर्जन करने व संपादक की विवशता या दवाब के कारण भी लिखता है। पर वे स्वयं की पहचान करके व अपने विचारों को तटस्थ रखकर सबके समक्ष प्रस्तुत करने व आत्मसंतुष्टि के लिए लिखते हैं।

(ii) प्रकृति के अनुपम सौंदर्य के अलौकिक आनंद में डूबी लेखिका को कई दृश्य झकझोर गए। लेखिका जब प्रकृति के अलौकिक सौन्दर्य में डूबी हुई थी; उसी समय उसका ध्यान पत्थर तोड़ती हुई पहाड़ी औरतों पर गया। जिनके शरीर तो गुंथे हुए आटे के समान कोमल थे किन्तु उनके हाथों में कुदाल और हथौड़े थे। उनमें से कुछ की पीठ पर बँधी एक बड़ी टोकरी में उनके बच्चे भी थे। इतने स्वर्गीय सौन्दर्य के बीच मातृत्व और श्रम साधना के साथ-साथ भूख, मौत, दैन्य और ज़िदा रहने की जंग जो पहाड़ों में रास्ता बनाने वाली ये श्रमिक औरतें झेल रही हैं। बर्फ से ढके आधे हरे काले पहाड़ जिन पर ताजी बर्फ का पाउडर छिड़का गया हो गया हो। चिकने - चिकने गुलाबी पत्थरों के बीच इठला कर बहती चांदी की तरह चमकती बनी ठनी तीस्ता नदी और दूध की धार की तरह झर - झर गिरते जलप्रपात ।प्राकृतिक सौन्दर्य में इन दृश्यों ने लेखिका की चेतना को झकझोर डाला।

(iii) 'माता का अँचल' पाठ में माँ को प्यार, ममता और वात्सल्यपूर्ण रूप में चित्रित किया गया है जिसके अँचल में छिपकर बच्चे को अपने दुःख से छुटकारा मिलता है, वह स्वयं को सुरक्षित महसूस करता है। पाठ में बालक भोलानाथ को विपदा के समय माँ के लाड़, प्यार व गोद की ज़रूरत पड़ती है तो वह उसकी शरण में आ जाता है। हमें यह बात बहुत अच्छी लगी क्योंकि लेखक ने माँ को सर्वोपरि दर्जा देते हुए बच्चे के जीवन के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण बताया है। हमें इससे प्रेरणा मिलती है कि जीवन में माँ का होना बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए अति महत्त्वपूर्ण है, अतः माँ को उचित आदर-सम्मान दिया जाना चाहिए। पाठ में बच्चे मिलजुल कर खेलते हैं। बड़ों का आदर-सम्मान करते हैं। यह बात भी हमें बहुत अच्छी लगी क्योंकि मिलजुल कर खेलने से ही भाईचारे की भावना विकसित होती है। देश की एकता व अखंडता के लिए सभी लोगों में भाईचारा आवश्यक होता है। मिलजुल कर बच्चे खेलेंगे तो मिलजुल कर काम भी करेंगे और सभी के मिलजुल कर कार्य करने से ही देश की तरक्की संभव है। अगर हमें जीवन

में सफल व्यक्ति बनना है तो बड़ों को प्रेम व आदर सम्मान देकर, नैतिकता को अपनाकर ही सफल बन सकते हैं।

14. महाप्रबंधक महोदय,
दिल्ली परिवहन निगम,
नेहरु प्लेस डिपो, दिल्ली।
01 मार्च, 2019
विषय- बस चालक के प्रशंसनीय व्यवहार के संबंध में
महोदय,
इस पत्र के माध्यम से मैं आपका ध्यान इस डिपो के अधीन कार्यरत बस चालक श्री गोविन्द सिंह के प्रशंसनीय व्यवहार की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ।
इस सप्ताह की बात है जब आज़ादपुर से नरेला के बीच चलने वाली बस एक रेड लाइट पर रुकी थी तभी खिड़की के पास वाली महिला चिल्लाई, "मेरी चेन ले गया, ले गया।" चेन खींचने वाला बस की उल्टी दिशा में भागने लगा। अचानक इससे यात्री घबराए पर उसके पीछे कोई न भागा, तभी मैंने देखा कि बस के ड्राइवर ने उसके पीछे दौड़ लगा दी। उसे दौड़ता देख एक दो यात्री और भी दौड़ पड़े। अचानक ठोकर लगने से लुटेरे गिरा कि ड्राइवर ने उसे पकड़ लिया और दोनों यात्रियों की मदद से उसे बस में लाया। उसे लोगों के बीच सीट पर बिठा बस को मुद्रिका थाने ले गया। इस तरह से उस महिला को उसकी टूटी चैन मिल गई। सभी यात्रियों तथा पुलिस वालों ने उस ड्राइवर की भूरि-भूरि प्रशंसा की।
अतः आपसे प्रार्थना है कि बस चालक श्री गोविन्दसिंह को सार्वजनिक रूप से सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाए, जिससे अन्य चालक तथा परिचालक ऐसे कार्य के लिए प्रेरित हो सकें।
धन्यवाद सहित।
भवदीय,
पवन कुमार

अथवा

मानक नगर, नई दिल्ली
२४ मार्च २०१९
आदरणीया अग्रजा
सादर प्रणाम
आप कैसी हैं ? बहुत दिनों से कोई समाचार नहीं मिला। मैं ईश्वर से आपकी कुशलता की कामना करती हूँ। मैं इस पत्र में अपने विद्यालय में मनाए गए शिक्षक दिवस के बारे में बता रही हूँ। 5 सितम्बर को हमारे विद्यालय में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया था। इस दिन प्रधानाचार्य द्वारा शिक्षकों का सम्मान किया गया और अलग-अलग श्रेणियों में उन्हें सम्मानित भी किया गया। हम सब विद्यार्थियों ने ही उस दिन कक्षाएँ लीं| शिक्षकों के सम्मान में हम सब छात्र-छात्राओं ने अनेक प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य, संगीत आदि का आयोजन किया। हम सबने अध्यापकों के मनोरंजन के लिए कई रोचक खेलों का भी आयोजन किया जिसमें सभी ने प्रसन्नता पूर्वक भाग लिया और उन्हें मजा भी आया। प्रबन्धक महोदय द्वारा समस्त शिक्षकों को उपहार प्रदान किए गए और अन्त में भोज हुआ। शिक्षकगण भी बहुत प्रसन्न हुए। इस प्रकार यह शिक्षक दिवस का समारोह एक यादगार दिन बन गया। निश्चित ही मैं यह दिन मैं हमेशा याद रखूंगी। माँ-पिताजी को मेरा सादर प्रणाम व छोटे भाई को शुभाशीष। पत्रोत्तर की प्रतीक्षा में-
आपकी छोटी बहन
सुनीता

15. **वर्तमान जीवन शैली-** आज जहाँ भी देखो ऊँची-ऊँची बहु मंजिला इमारतें हैं। प्रत्येक मनुष्य का सपना है कि वह इन इमारतों में सुख पूर्वक रहे। इन इमारतों के कारण धीरे-धीर मनुष्य के रहन-सहन व जीवन शैली में बदलाव आया है। इनमें रहना आधुनिकता का सूचक है। फ्लैट सिस्टम के कारण पड़ोस कल्चर खत्म हो गया है। आज मनुष्य एकाकी जीवन जीने लगा है। छोटे-छोटे फ्लैटों के कारण संयुक्त परिवार की जगह एकल परिवार ने ले ली है। मानव अपने में ही सिमट गया है। लोग दूसरों के घर-परिवार में दखलंदाजी नहीं करते। सब अपने काम में ही व्यस्त रहते हैं।

सुविधाएँ-मकानों का अभाव- यह फ्लैट सभी सुविधाओं से सम्पन्न होते हैं। ये जितने सुविधाजनक होते हैं उतने प्रतिष्ठा के सूचक भी। इन फ्लैटों में रहने वाले अमीर और इज्जतदार माने जाते हैं। इसके साथ ही आज आवासीय जमीनों की कमी के कारण भी फ्लैट सिस्टम को बढ़ावा मिला है। फ्लैट आज के समय की जरूरत है।

हानियाँ- बहुमंजिला इमारतें सुविधाजनक होने के साथ हानिकारक भी हैं। यह इमारतें ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाती है। इनमें होने वाली ऊर्जा की खपत और पृथ्वी का खनन सब हानियाँ हैं। इसके साथ फ्लैट सिस्टम के कारण बच्चों को बुजुर्गों का प्यार व संस्कार भी नहीं मिल पाते हैं। परस्पर सहयोग व मिल-जुल कर रहने की भावना का विकास भी इस फ्लैट सिस्टम के कारण खत्म होता जा रहा है। असामाजिक गतिविधियों को भी फलने-फूलने का अवसर इस फ्लैट सिस्टम में आसानी से मिल जाता है।

अथवा

गाँधीजी ने कहा था- 'भारत का हृदय गाँवों में बसता है। गाँवों में ही सेवा और परिश्रम के अवतार किसान बसते हैं। ये किसान ही नगरवासियों के अन्नदाता हैं, सृष्टि-पालक हैं।' निरक्षरता भारतीय कृषक की पतनावस्था का मूल कारण है। शिक्षा के अभाव के कारण वह अनेक कुरीतियों से घिरा है। अंधविश्वास और रूढ़ियाँ उसके जीवन के अभिन्न अंग बन गए हैं। आज भी वह शोषण का शिकार है। वह धरती की छाती को फाड़कर, हल चलाकर अन्न उपजाता है किन्तु उसके परिश्रम का फल व्यापारी लूट ले जाता है। उसकी मेहनत दूसरों को सुख-समृद्धि प्रदान करती है। भारत में कृषि और किसानों की हालत दिनों-दिन बदतर होती जा रही है, जिसके कारण अनेक किसान आत्महत्या तक करने पर मजबूर हो जाते हैं। भारत का किसान बड़ा ही परिश्रमी है। वह गर्मी-सर्दी तथा वर्षा की परवाह किए बिना अपने कार्य में जुटा रहता है। जेठ की दुपहरी, वर्षा ऋतु की उमड़ती-घुमड़ती काली मेघ-मालाएँ तथा शीत ऋतु की हाड़ कँपा देने वाली वायु उसे कर्त्तव्य से रोक नहीं पाती। भारतीय किसान का जीवन कड़ा तथा कष्टपूर्ण है। दिन-रात कठिन परिश्रम करने के बाद वह जीवन की आवश्यकताएँ नहीं जुटा पाता, न उसे पेट-भर भोजन मिलता है और न शरीर ढँकने के लिए पर्याप्त वस्त्र। अभाव और विवशता के बीच ही वह जन्मता है तथा इसी दशा में मृत्यु को प्राप्त हो जाता है। भारत में बहुत से ऐसे लघु उद्योग हैं जो किसान आसानी से अपने घर से कर सकते हैं। इसके लिए सरकार को जागरूक होना चाहिए। कभी खराब बीजों की वजह से तथा फसलों की कम कीमत और खराब मौसम की दोहरी मार से किसानों की बुरी दुर्दशा हो जाती है। किसानों की दुर्दशा को ध्यान में रखते हुए सरकार को किसानों का कर्ज माफ कर देना चाहिए तथा किसानों के लिए सरकार को लघु उद्योग लगाने की व्यवस्था करनी चाहिए।

अथवा

इस दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण और सुंदर रिश्ता है - सच्ची मित्रता का रिश्ता। क्योंकि यह एक ऐसा रिश्ता है जिसे मनुष्य ख़ुद बनाता है बाकी रिश्ते तो जन्म के बाद ही बन जाते हैं। एक सच्चा मित्र तो बहुमूल्य उपहार की भांति होता है। एक सच्चा मित्र हर मुसीबत में आपके साथ खड़ा रहता है। इसीलिए हर मानव को अपनी जिन्दगी में एक मित्र की आवश्यकता पड़ती है। एक सच्चा मित्र कभी भी आपको वैसा होने की आजादी देता है जैसे आप हो।

अच्छा मित्र कभी भी आपको बुरे कामों के लिए उत्साहित नहीं करेगा वो आपको ऐसे कामों से दूर

रहने की सलाह देगा। इसीलिए मित्रता तो विश्वास, सहयोग और दो लोगों के बीच प्यार की भावना का संगम होता है। मित्र बनाना कोई आसान काम नहीं होता इसके लिए मानव के अंदर कुछ अच्छी विशेषताएं अवश्य होनी चाहिए। पहली यह कि उसे अपने मित्र पर विश्वास रखना होगा और दूसरी यह कि एक मित्र को दुसरे मित्र में छोटी -छोटी बात के लिए दोष नहीं निकालने चाहिए। दोस्ती दोनों में समान होनी चाहिए।

एक झूठा मित्र हमेशा आपके साथ स्वार्थ के लिए दोस्ती करेगा। ऐसी मित्रता ज्यादा दिनों तक नहीं टिकती इसीलिए ऐसे मित्रों से दूर ही रहना चाहिए। एक सच्चा और अच्छा मित्र वही होता है जो हमारी कमियों का मजाक न उड़ाते हुए उन्हें दूर करने में मदद करता है। सच्चा मित्र हमेशा हमारी अच्छाइयों से हमें अवगत कराता है।

अपने शत्रु को हज़ारों मौके दो कि वो तुम्हारा मित्र बन जाये परन्तु आपके मित्र को एक भी ऐसा मौका ना दो कि वो आपका शत्रु बन जाए।

16.

वयस्क साक्षरता मिशन 2020

नव युग की पुकार
साक्षर बनो!
"अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस
के अवसर पर देश को निरक्षरता
के अभिशाप से मुक्त करने के लिए
और सभी को साक्षर करने के लिए
सभी आपसी सहयोग की भावना से
आगे आएँ - सब एक साथ मिलकर
देश को सम्पूर्ण साक्षर बनाए।"
शिक्षित होंगे सभी जन,
सुखी होगा सबका जीवन
विकसित होगा मेरा वतन।

जय हिन्द! जय भारत!

अथवा

संदेश

25, मार्च, 2020
प्रातः 09:00 बजे
प्रिय गिरीश,
28 मार्च, 2020 से डी.डी. नेशनल चैनल पर प्रातः 9:00 बजे एवं रात्रि 8:00 बजे से 'रामायण' एवं डी.डी. भारती पर 'महाभारत' कार्यक्रम का पुनः प्रसारण किया जाएगा। यह दोनों कार्यक्रम दिन में दो बार प्रसारित किए जाएंगे। एक ज़माने में ये धार्मिक कार्यक्रम बेहद लोकप्रिय रहे। तुम अपनी दिनचर्या में से उचित समय निकालकर इन कार्यक्रमों को अवश्य देखना।
तुम्हारा
गोविन्द

17. प्रति,
आयुक्त
दिल्ली नगर निगम
सिविल लाइंस क्षेत्र
16, राजपुर रोड, दिल्ली।

विषय- प्राथमिक अध्यापक पद हेतु आवेदन-पत्र।
मान्यवर,
दिनांक 05 मई, 20xx के 'जनसत्ता' दैनिक समाचार-पत्र से ज्ञात हुआ कि सिविल लाइंस क्षेत्र में प्राथमिक कक्षा के बच्चों को पढ़ाने के लिए अध्यापकों के कुछ पद रिक्त हैं। मैं भी इस पद के लिए अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ। मेरा संक्षिप्त व्यक्तिगत विवरण इस प्रकार है-
नाम - गोविन्द कुमार
पिता का नाम - श्री राम रतन
जन्मतिथि - 10 अक्टूबर, 1992
पता - A2/127, अभिनव इंक्लेव, सेक्टर-15, रोहिणी, दिल्ली।
शैक्षणिक योग्यताएँ-

दसवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई० दिल्ली	2007	78%
बारहवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई० दिल्ली	2009	85%
जे.बी.टी.	डाइट केशवपुरम, दिल्ली	2011	70%
कम्प्यूटर कोर्स	एकवर्षीय	2012	
सीटी. ई. टी	सी०बी०एस०ई०	2013	67%

अनुभव- नवोदय शिक्षा संस्थान में प्राथमिक कक्षाओं को पढ़ाने का एक साल का अनुभव।
आशा है कि आप मेरी योग्यताओं पर सहानुभूति विचार करते हुए सेवा का अवसर प्रदान करेंगे।
सधन्यवाद
भवदीय
गोविन्द कुमार
हस्ताक्षर .....
दिनांक 08 मई, 20xx
संलग्न- शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों एवं अनुभव प्रमाण-पत्र की छाया प्रति।

अथवा

From: pawan@mycbseguide.com
To: webinformationmanager@indiapost.gov.in
CC ...
BCC ...
विषय - क्षेत्र में नया डाकघर खोलने के संबंध में
महोदय,
निवेदन है कि मैं नोएडा के सेक्टर 35 का निवासी हूँ। सेक्टर 20 से सेक्टर 65 तक बहुत आबादी बस चुकी है। यहाँ की जनसंख्या पिछले पाँच वर्षों की तुलना में तीन गुनी हो चुकी है, किंतु इस क्षेत्र के लिए समुचित डाकघर की व्यवस्था नहीं है।
अतः मेरा आपसे करबद्ध निवेदन है कि क्षेत्र की आवश्यकता और लोगों की परेशानी को देखते हुए इस क्षेत्र में शीघ्र ही एक डाकघर खुलवाने की कृपा करें, जिससे यहाँ के नागरिकों को परेशानियों से छुटकारा मिल सके।
पवन